Załącznik 3b do Uchwały Nr 82 Senatu UWM w Olsztynie z dnia 27 kwietnia 2021 roku

**PLAN STUDIÓW KIERUNKU**

**FILOLOGIA POLSKA**

**ZAKRES: EDYTORSTWO TEKSTÓW**

**Obowiązuje od cyklu:** 2021Z

**Poziom studiów:** studia drugiego stopnia

**Profil kształcenia:** ogólnoakademicki

**Forma studiów:** stacjonarne

**Liczba semestrów:** 4

**Dziedzina/y nauki/dyscyplina/y naukowe:** dziedzina nauk humanistycznych / dyscypliny naukowe: językoznawstwo, literaturoznawstwo

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 1, semestr: 1** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | | ćwiczenia | | inne | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Warsztat językowy | 1 | 2 | 1,2 | | | zal. oc. | f | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | 2 | Technologie informacyjne w naukach humanistycznych | 1 | 2 | 1,2 | | | zal. oc. | o | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | | 2,4 | | x | x | 60 | 0 | | 60 | | 4 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | | 2,4 | | x | x | 60 | 0 | | 60 | | 4 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | | 1,2 | | x | x | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | **II – PODSTAWOWYCH** | | |  | |  | |  |  |  |  | |  | |  | |  |  | | | 1 | Teoria kultury | 1 | 2 | 0,6 | | | zal. oc. | o | 30 | 15 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | | 2 | Warsztat badacza literatury | 1 | 1 | 0,6 | | | zal. oc. | o | 15 | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 3 | | 1,2 | | x | x | 45 | 15 | | 30 | | 4 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | | 1,2 | | x | x | 30 | 0 | | 30 | | 3 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | | 0 | | x | x | 0 | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Nurty i style literacko-artystyczne I | 1 | 3,0 | 1,2 | | | zal.oc. | o | 45 | 15 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | 2 | Wybrane zagadnienia analizy dzieła literackiego | 1 | 1,5 | 1,2 | | | zal.oc. | o | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | 3 | Wybrane zagadnienia gramatyki języka polskiego | 1 | 1,5 | 1,2 | | | zal.oc. | o | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | 4 | Metodologia badań literackich I | 1 | 2 | 0,6 | | | zal.oc. | o | 30 | 15 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | | 5 | Elementy kultury języka polskiego | 1 | 1,5 | 1,2 | | | zal.oc. | o | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | 6 | Językoznawstwo ogólne | 1 | 2,5 | 0,6 | | | egz. | o | 30 | 15 | | 15 | | 4 | | 0 | 0 | | | 7 | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa I | 1 | 4 | 1,2 | | | zal.oc. | f | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 16 | | 7,2 | | x | x | 225 | 45 | | 180 | | 16 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | | 7,2 | | x | x | 180 | 0 | | 180 | | 11 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | | 1,2 | | x | x | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Tekstologia z elementami historii książki | 1 | 1,5 | | 0 | | zal.oc. | f | 30 | 30 | | 0 | | 2 | | 0 | 0 | | | 2 | Korekta i redakcja tekstu | 1 | 1,5 | | 1,2 | | zal.oc. | f | 30 | 0 | | 30 | | 2 | | 0 | 0 | | | 3 | Wstęp do poligrafii i drukarstwa | 1 | 1 | | 0,6 | | zal.oc. | f | 15 | 0 | | 15 | | 2 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | |  | 4 | | 1,8 | | x | x | 75 | 30 | | 45 | | 6 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  |  | | 1,8 | | x | x | 45 | 0 | | 45 | | 4 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | |  | 4 | | 1,8 | | x | x | 75 | 30 | | 45 | | 4 | | 0 | 0 | | | **V – PRAKTYKA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Praktyka zawodowa I | 1 | 1,5 | | | 1,5 | zal.oc. | f | 0 | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 1 | 1,5 | | 1,5 | | x | x | 0 | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(zajęcia praktyczne) | |  | 1,5 | | 1,5 | | x | x | 0 | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(przedmioty fakultatywne) | |  | 1,5 | | 1,5 | | x | x | 0 | 0 | | 0 | | 0 | | 40 | 0 | | | **VI - INNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Szkolenie w zakresie bezpieczeństwa i higieny pracy | 1 | 0,5 | 0 | | | zal. | o | 4 | 4 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | 2 | Etykieta | 1 | 0,5 | 0 | | | zal. | o | 4 | 4 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | 3 | Ergonomia | 1 | 0,25 | 0 | | | zal | o | 2 | 2 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | 4 | Ochrona własności intelektualnej | 1 | 0,25 | 0 | | | zal. | o | 2 | 2 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1,5 | | 0 | | x | x | 12 | 12 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(zajęcia praktyczne) | | |  | | 0 | | x | x | 0 | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(przedmioty fakultatywne) | | |  | | 0 | | x | x | 0 | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 1** | | | **30** | | **14,1** | | **x** | **x** | **417** | **102** | | **315** | | **30** | | **40** | **0** | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **Rok studiów: 1, semestr: 2** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru I | 2 | 2 | 0 | | | zal.oc. | f | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | | 0 | | x | x | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | | 0 | | x | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | | 0 | | x | x | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | 0 | | 0 | | **II – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Warsztat badacza języka | 2 | 1 | 0,6 | | | zal. oc. | o | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1 | | 0,6 | | x | x | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | | 0,6 | | x | x | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | | 0 | | x | x | 0 | | 0 | | 0 | | 0 | 0 | | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Nurty i style literacko-artystyczne II | 2 | 2,5 | | 1,2 | | zal.oc. | o | 45 | | 15 | | 30 | | 2 | 0 | | 0 | | 2 | Życie literackie po 1989 roku I | 2 | 2 | | 0,6 | | zal.oc. | o | 30 | | 15 | | 15 | | 2 | 0 | | 0 | | 3 | Metodologia badań literackich II | 2 | 2 | | 0,6 | | egz. | o | 15 | | 0 | | 15 | | 4 | 0 | | 0 | | 4 | Metodologia badań językoznawczych | 2 | 2,5 | | 0,6 | | egz. | o | 30 | | 15 | | 15 | | 4 | 0 | | 0 | | 5 | Komparatystyka literacka | 2 | 2 | | 0,6 | | zal.oc. | o | 30 | | 15 | | 15 | | 2 | 0 | | 0 | | 6 | Kreatywne pisanie I | 2 | 1 | | 0,6 | | zal.oc. | o | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | 0 | | 0 | | 7 | Ortografia i interpunkcja (poziom zaawansowany) | 2 | 1,7 | | 1,2 | | zal.oc. | o | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | 0 | | 0 | | 8 | Problemy leksykologii | 2 | 1,3 | | 0,6 | | zal.oc. | o | 15 | | 0 | | 15 | | 2 | 0 | | 0 | | 9 | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa II | 2 | 4 | | 1,2 | | zal.oc. | f | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | 0 | | 0 | | 10 | Wykład monograficzny I | 2 | 2 | | 0 | | zal.oc | f | 30 | | 30 | | 0 | | 2 | 0 | | 0 | | 11 | Przedmiot do wyboru II | 2 | 2 | | 1,2 | | zal.oc. | f | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | 23 | | 8,4 | | x | x | 300 | | 90 | | 210 | | 26 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | | 8,4 | | x | x | 210 | | 0 | | 210 | | 15 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 8 | | 2,4 | | x | x | 90 | | 30 | | 60 | | 6 | 0 | | 0 | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Komputerowe opracowanie tekstu i redakcja techniczna | 2 | 2 | | 1,2 | | zal.oc. | f | 30 | | 0 | | 30 | | 2 | 0 | | 0 | | 2 | Edycja tekstów (do XIX w.) | 2 | 2 | | 0,67 | | zal.oc. | f | 20 | | 0 | | 20 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | | 1,87 | | x | x | 50 | | 0 | | 50 | | 4 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | | 1,87 | | x | x | 50 | | 0 | | 50 | | 2 | 0 | | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | | 1,87 | | x | x | 50 | | 0 | | 50 | | 2 | 0 | | 0 | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 2** | | | **30** | | **10,87** | | **x** | **x** | **395** | | **120** | | **275** | | **34** | **0** | | **0** | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na I roku** | | | **60** | | **24,97** | | **x** | **x** | **812** | | **222** | | **590** | | **64** | **40** | | **0** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 2, semestr: 3** | | | | | | | | | | | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **II – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Zagadnienia współczesnej humanistyki | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | 2 | 0,6 | x | x | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | 0,6 | x | x | 15 | 0 | 15 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | x | x | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Życie literackie po 1989 II | 3 | 3,5 | 0,6 | egz. | o | 30 | 15 | 15 | 4 | 0 | 0 | | 2 | Literatura i kultura popularna I | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 3 | Filozofia a literatura | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 4 | Antropologia literatury | 3 | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 5 | Wprowadzenie do semantyki | 3 | 1,5 | 0 | zal.oc. | o | 15 | 15 | 0 | 2 | 0 | 0 | | 6 | Historia języka polskiego | 3 | 3 | 0,6 | egz. | o | 30 | 15 | 15 | 4 | 0 | 0 | | 7 | Dialektologia | 3 | 2,5 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 8 | Kreatywne pisanie II | 3 | 1,5 | 0,6 | zal.oc. | o | 15 | 0 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 9 | Publikacja tekstów w Internecie | 3 | 2 | 1,2 | zal.oc. | o | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | 10 | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa III | 3 | 5 | 1,2 | zal.oc. | f | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | 25 | 6,6 | x | x | 270 | 105 | 165 | 24 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | 6,6 | x | x | 165 | 0 | 165 | 10 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 5 | 1,2 | x | x | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Prawo autorskie w Polsce i Unii Europejskiej | 3 | 1 | 0,6 | zal.oc. | f | 15 | 0 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 2 | Edycja tekstów (XX-XXI w.) | 3 | 2 | 1,2 | zal.oc. | f | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 3 | 1,8 | x | x | 45 | 0 | 45 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | |  | 1,8 | x | x | 45 | 0 | 45 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 3 | 1,8 | x | x | 45 | 0 | 45 | 4 | 0 | 0 | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 3** | | | **30** | **9,0** | **x** | **x** | **345** | **120** | **225** | **30** | **0** | **0** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 2, semestr: 4** | | | | | | | | | | | | | | | | Lp. | | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Przedmiot do wyboru III | 4 | | 2 | 0 | zal.oc. | f | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | 2 | 0 | x | x | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | |  | 0 | x | x | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 2 | 0 | x | x | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | | Literatura i kultura popularna II | 4 | | 3,5 | 0,6 | egz. | o | 30 | 15 | 15 | 4 | 0 | 0 | | 2 | | Eseistyka literacka i filozoficzna | 4 | | 2,5 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 3 | | Pragmatyka językoznawcza | 4 | | 2 | 0,6 | zal.oc. | o | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 4 | | Zagadnienia językoznawstwa komputerowego | 4 | | 1,5 | 0 | zal.oc. | o | 15 | 15 | 0 | 2 | 0 | 0 | | 5 | | Język wartości | 4 | | 1,5 | 0 | zal.oc. | o | 15 | 15 | 0 | 2 | 0 | 0 | | 6 | | Wystąpienia publiczne | 4 | | 1,5 | 0,6 | zal.oc | o | 15 | 0 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 7 | | Seminarium magisterskie i praca dyplomowa IV | 4 | | 7 | 1,2 | zal.oc. | f | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 | | 8 | | Przedmiot do wyboru IV | 4 | | 2 | 0,6 | zal.oc. | f | 30 | 15 | 15 | 2 | 0 | 0 | | 9 | | Wykład monograficzny II | 4 | | 2 | 0 | zal.oc. | f | 30 | 30 | 0 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | | | 23,5 | 4,2 | x | x | 225 | 120 | 105 | 20 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | |  | 4,2 | x | x | 105 | 0 | 105 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 11 | 1,8 | x | x | 90 | 45 | 45 | 6 | 0 | 0 | | **V – PRAKTYKA** | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Praktyka zawodowa II | | | 4 | 4,5 | 4,5 | zal.oc. | f | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd.(ogółem) | | | | | 4,5 | 4,5 | x | x | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | 4,5 | 4,5 | x | x | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 4,5 | 4,5 | x | x | 0 | 0 | 0 | 0 | 120 | 0 | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w semestrze 4** | | | | | **30** | **8,7** | **x** | **x** | **255** | **150** | **105** | **22** | **120** | **0** | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na II roku studiów** | | | | | **60** | **17,7** | **x** | **x** | **600** | **270** | **330** | **52** | **120** | **0** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Tabela podsumowująca plan** | | | | | | | | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Liczba godzin realizowanych  z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w planie studiów** | | **120** | **42,67** | **1412** | **492** | **920** | **116** | **160** | **0** | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | **I - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 8 | 2,4 | 120 | 60 | 60 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 0 | 2,4 | 60 | 0 | 60 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 6 | 1,2 | 90 | 60 | 30 | 6 | 0 | 0 | | **II – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 6 | 2,4 | 90 | 30 | 60 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 2,4 | 60 | 0 | 60 | 6 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | **III – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 87,5 | 26,4 | 1020 | 360 | 660 | 86 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 26,4 | 660 | 0 | 660 | 47 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 28 | 6,6 | 240 | 75 | 165 | 16 | 0 | 0 | | **IV - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 11 | 5,47 | 170 | 30 | 140 | 14 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 5,47 | 140 | 0 | 140 | 12 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 11 | 5,47 | 170 | 30 | 140 | 14 | 0 | 0 | | **V – PRAKTYKA** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 6 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 160 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 6 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 160 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 6 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 160 | 0 | | **VI – INNE** | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 1,5 | 0 | 12 | 12 | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | |  | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Lp.** | **Punkty ECTS sumaryczne wskaźniki ilościowe,**  **w tym zajęcia:** | **Punkty ECTS** | |  |  |  |  |  |  | | **Liczba** | **%** |  |  |  |  |  |  | | **Ogółem - plan studiów** | | 120 | 100 |  |  |  |  |  |  | | 1 | wymagające bezpośredniego udziału nauczyciela akademickiego lub innych osób prowadzących zajęcia | 61,12 | 50,93 |  |  |  |  |  |  | | 2 | z zakresu nauk podstawowych | 6 | 5,00 |  |  |  |  |  |  | | 3 | o charakterze praktycznym (laboratoryjne, projektowe, warsztatowe) | 42,67 | 35,55 |  |  |  |  |  |  | | 4 | ogólnouczelniane lub realizowane na innym kierunku | 2 | 1,66 |  |  |  |  |  |  | | 5 | zajęcia do wyboru - co najmniej 30% punktów ECTS | 51 | 42,5 |  |  |  |  |  |  | | 6 | wymiar praktyk | 6 | 5,00 |  |  |  |  |  |  | | 7 | zajęcia z języka obcego | 2 | 1,66 |  |  |  |  |  |  | | 9 | przedmioty z dziedziny nauk humanistycznych lub nauk społecznych | 118,5 | 98,5 |  |  |  |  |  |  | | 10 | zajęcia kształtujące umiejętności praktyczne (dotyczy profilu praktycznego) | - | - |  |  |  |  |  |  | | 11 | zajęcia związane z prowadzoną w uczelni działalnością naukową w dyscyplinie/ach, do których przyporządkowano kierunek studiów (dotyczy profilu ogólnoakademickiego) | 104,5 | 87,08 |  |  |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **II** | **Procentowy udział pkt ECTS dla każdej z dyscyplin naukowych w łącznej liczbie punktów ECTS** | **%** |  |  |  |  |  |  |  | | 1 | Językoznawstwo | 51 |  |  |  |  |  |  |  | | 2 | Literaturoznawstwo | 49 |  |  |  |  |  |  |  | | **Ogółem:** | | **100** |  |  |  |  |  |  |  | |

|  |
| --- |
| **Wykaz grup przedmiotów:** |
| **Warsztat językowy** |
| 1) Język angielski |
| 2) Język hiszpański |
| 3) Język niemiecki |
| 4) Język rosyjski |
| **Przedmiot do wyboru I** |
| 1) Komunikacja wizualna |
| 2) Komunikacja marketingowa |
| **Przedmiot do wyboru II** |
| 1) Zagadnienia przekładu literackiego |
| 2) Selected Advanced Issues in Applied Linguistics |
| **Przedmiot do wyboru III** |
| 1) Podstawy komunikacji społecznej |
| 2) Miłość i erotyzm w kulturze |
| **Przedmiot do wyboru IV** |
| 1) Gatunki autobiograficzne |
| 2) Gatunki dziennikarskie |
| **Wykład monograficzny I** |
| 1) Od romansu do powieści. Z dziejów ewolucji polskiej epiki |
| 2) Strategie prezentacji medialnych |
| **Wykład monograficzny II** |
| 1) Wizerunki kobiet w literaturze i sztuce |
| 2) Gramatyka porównawcza języków słowiańskich |